16/7/24	बार-बार आवाज दिलवाने के बाद भी न तो अपी० न ही अपी० अधि० उप० हुए। अपील दि० 13/4/22 से कायम मुकदमा कार्यवाही में विचाराधीन हैं। वकील अपी० को कायम मु० कार्य० हेतु अंतिम अवसर दिये जा चुके हैं। अतः पत्रावली अदम हाजरी अदम पैरवी अदम तकमील में खारिज की जाती है। प्रा० फैसला रजिस्टर की क्रम नंबर से कम की जावें। बाद जाब्ता दाखिल दफ्तर हो। (हस्ताक्षर) (मुनिदेव पाण्डेय RAS) भू प्रबन्ध अधिकारी